Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—2006

PAPER—III

HINDI

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

HINDI

हिन्दी

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

नोट : यह प्रश्न पत्र कुल चार (4) खण्डों में विभाजित है। पूरा प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है। परीक्षार्थियों को चारों खण्डों में विभाजित प्रश्नों के उत्तर यथास्थान दिये गये आवश्यक निर्देशों के अनुसार देने हैं।

खण्ड – I

निर्देश : ***निम्नलिखित पद्य-अवतरण के आधार पर अधिकतम तीस (30) शब्दों में अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।***

कर रही लीलामय आनन्द,
महाचिति सजग हुइ सी व्यक्त,
विश्व का उन्मीलन अभिराम
इसी में सब होते अनुरक्त।
काम मंगल से मंडित श्रेय
स्वर्ग, इच्छा का है परिणाम,
तिरस्कृत कर उसको तुम भूल
बनाते हो असफल भवधाम।

1. महाचिति से क्या अभिप्राय है?

2. लीलामाय आनन्द क्या है?

3. महाचिति की लीला किस रुप में व्यक्त हो रही है?

4. काम को मंगलमय क्यों माना गया है?

5. उपर्युक्त पद्यांश का क्या सन्देश है?

खण्ड – II

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम तीस (30) शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।

6. रैदास की 'बानी' के महत्व पर प्रकाश डालिए।

7. पुष्टिमार्ग का क्या अभिप्राय है?

8. ‘घनानन्द प्रेम-पीर के गायक हैं’। विचार कीजिए।

9. साहित्य के सन्दर्भ में आधुनिकता को परिभाषित कीजिए।

10. राष्ट्रीय काव्य-धारा के महत्व को बताइए।

11. रघुवीर सहाय की काव्य भाषा की प्रमुख विशेषताऐं लिखिए।

12. मिथक का स्वरुप स्पष्ट कीजिए।

13. अस्तित्ववाद की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

14. 'परीक्षागुरु' की अन्तर्वस्तु पर प्रकाश डालिए।

15. प्रसाद की कहानी-कला की विशेषताऐं बताइए।

16. ‘भारत दुर्दशा’ नाटक में चित्रित भारत दुर्दैव पात्र के स्वरुप पर प्रकाश डालिए।

17. प्रसाद की नाट्यशैली में संघर्ष तत्व के महत्व पर प्रकाश डालिए।

18. बालकृष्ण भट्ट की निबन्ध-शैली की विशेषताएँ बताइये।

19. 'सौष्ठववादी आलोचना' का आशय स्पष्ट कीजिए।

20. रामचन्द्र शुक्ल की क्रोचे से किन बिन्दुओं पर असहमति है, अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए।

खण्ड – III

निर्देश : निम्नलिखित ***चार वैकल्पिक वर्गों*** में से ***किसी एक वर्ग*** का चुनाव करें और ***उसी वैकल्पिक वर्ग*** के ***पाँचों प्रश्नों*** का उत्तर दें।

इन प्रश्नों के उत्तर अधिकतम दो सौ (200) शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारह (12) अंक हैं।

विकल्प – I : (भक्ति काव्य)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

निर्गुन कौन देस को वासी ?
मधुकर! हँसि समुझाय, सौंह दै बूझति साँच, न हाँसी।
को है जनक, जननि को कहियत, कौन नारि, को दासी ?
कैसो बरन भेस है कैसो केहि रस में अभिलासी।
पावैगो पुनि कियो आपनो जो रे! कहैगो गाँसी।
सुनत मौन ह्वै रह्योठग्यो सो सूर सबै मतिनासी।।

22. भक्ति आन्दोलन के सम्बन्ध में हज़रीप्रसाद द्विवेदी के मत की समीक्षा कीजिए।

23. कबीर की रहस्यवादी चेतना के स्वरुप को स्पष्ट करें।

24. 'रामचरितमानस' में प्रतिपादित 'मर्यादा भाव' का स्वरुप स्पष्ट कीजिए।

25. 'पद्मावत' में चित्रित 'लोक-तत्व' का निरुपण कीजिए।

विकल्प – II (छायावाद)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।
बिखरी अलकें ज्यों तर्क जाल
वह विश्व मुकुट सा उज्जवलतम शशिखंड सदृश था स्पष्ट भाल
दो पद्म पलाश चषक से दृग देते अनुराग विराग ढाल
गुंजरित मधुप से मुकुल सदृश वह आनन जिसमें भरा गान
वक्षस्थल पर एकत्र धरे संसृति के सब विज्ञान ज्ञान।

22. छायावादी काव्य में प्रगति तत्त्व पर प्रकाश डालिए।

23. महादेवी की काव्य भाषा पर टिप्पणी लिखिए।

24. निराला के सन्दर्भ में मुक्त छन्द की अवधारणा का स्वरुप स्पष्ट कीजिए।

25. 'कामायनी' की विश्व-दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

विकल्प – III (कथा-साहित्य)

21. निम्नलिखित गद्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।
विपन्नता के इस अथाह सागर में सोहाग ही वह तृण था, जिसे पकड़े हुए वह सागर को पार कर रही थी। इन असंगत शब्दों ने यथार्थ के निकट होने पर भी, मानो झटका देकर उसके हाथ से वह तिनके का सहारा छीन लेना चाहा, बल्कि यथार्थ के निकट होने के कारण ही उनमें इतनी वेदना-शक्ति आ गयी थी। काना कहने से काने को जो दु:ख होता है, वह क्या दो आँखोवाले आदमी को हो सकता है?

22. ''गोदान' भारतीय किसान की त्रासदी है'' - विचार कीजिए।

23. रेणु की कथा-भाषा पर टिप्पणी लिखिए।

24. साठोत्तरी हिन्दी कहानी की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

25. हिन्दी कथा-साहित्य में दलित विमर्श के सन्दर्भ में सहानुभुति और स्वानुभूति प्रश्न पर विचार कीजिए।

विकल्प – IV (काव्यशास्त्र और आलोचना)

21. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' - विश्लेषण कीजिए।

22. ध्वनि सम्प्रदाय की मूल मान्यताओं का परिचय दीजिए।

23. रामचन्द्र शुक्ल के आलोचनात्मक प्रतिमानों पर विचार कीजिए।

24. टी. एस. इलिएट के समीक्षा सिद्धान्तों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

25. विखण्डनवाद का स्वरुप स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – IV

निर्देश : निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर अधिकतम एक हजार (1000) शब्दों में निबंध लिखिए। इस प्रश्न के चालीस (40) अंक हैं।

26. (क) भक्तिकाव्य की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि;

(ख) छायावादी कवियों का सौन्दर्य बोध;

(ग) हिन्दी के महाकाव्यात्मक उपन्यास;

(घ) हिन्दी आलोचना और रचनाकार आलोचक

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....